लेख
Paper ID: SDES-IJIR57

SDES-International Journal of Interdisciplinary Research
(Peer Reviewed Refereed Journal) ISSN (O): 2582:7162
Crossref DOI: 10.47997/SDES-IJIR/31/12/2020
https://shreedadueducational.com/journal

राष्ट्रीय किसान दिवस 2020: किसान दिवस के महत्व

ओमप्रकाश स्वामी [1] निशा स्वामी [2]

[1]सह-आचार्य, महात्मा गांधी नर्सिंग कॉलेज, सीतापुरा, जयपुर
[1]मुख्य संपादक, एसडीईएस आईजेआईआर/सचिव श्री दादू एजुकेशनल सोसाइटी,जयपुर
Corresponding Email: ops@mgumst.org , editor@shreedadueducationalsociety.com

सारांश -

भारत देश 'कृषि प्रधान 'देश है। यहां की अधिकतर जनसंख्या प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष रूप से खेती पर निर्भर रहती है। किसान अनाज उगाकर अपना व अपने परिवार का जीवन - यापन करते हैं और विश्व के सभी लोग इसी अनाज को खाकर जीवित रहते है। हमारे देश में खेती को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है इसलिए 'किसान - दिवस 'हमारे लिए बहुत महत्व रखता है।

मुख्य शब्ध : राष्ट्रीय, किसान, दिवस

प्रस्तावना - भारत देश के अधिकतर लोगों के जीवन - यापन का एकमात्र जरिया कृषि ही है। कृषि प्रधान देश होने के कारण हमारे देश में खेती को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है ऐसे में किसानों का आदर एवम् सम्मान देने के लिए ही किसान दिवस मनाया जाने लगा ताकि हम अपने अन्नदाता के प्रति सम्मान व आभार प्रकट कर सके। भारत देश में 'किसान - दिवस '23 दिसंबर को मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन भारत के पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह के सम्मान में तथा उनके जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है |

किसान दिवस का महत्व : 'किसान - दिवस ' किसानों के लिए अत्यंत महत्व रखता है क्यूंकी यह कृषि के साथ साथ नवीनतम शिखों के साथ समाज के किशनों को सशक्त बनाने का विचार देता है | 'किसान - दिवस ' समारोह लोगों को किशनों के सामने आने वाले विभिन्न मुद्दो के बारे में शिक्षित करने का काम करता है | यह भी कहा जाता है की चोधरी चरण सिंह ने सर छोटू राम की विरासत को आगे बढ़ाया, उन्होने 23 दिसम्बर 1978 को किशन ट्रस्ट भी बनाया, जिसके द्वारा किसानों के मुद्दों के बारे में सभी को जागरूक किया जाए |

किसान दिवस का महत्व: 'किसान - दिवस 'बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह कृषि के साथ-साथ नवीनतम सीखों के साथ समाज के किसानों को सशक्त बनाने का विचार देता है. किसान दिवस समारोह लोगों को किसानों के सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों के बारे में शिक्षित करने का काम करता है. यह भी कहा जाता है कि चौधरी चरण सिंह ने सर छोटू राम की विरासत को आगे बढ़ाया, उन्होंने 23

दिसंबर 1978 को किसान ट्रस्ट भी बनाया, ताकि किसानों के मुद्दों के बारे में सभी को जागरूक किया जाए |

किसान दिवस का इतिहास : किसान दिवस की स्थापना सन् 2001 ई. में की गई थी। जब चौधरी चरण सिंह जी प्रधानमंत्री पद थे तब उन्होंने किसानों के हित के लिए काम करने का फैसला लिया था क्योंकि वह स्वयं एक किसान परिवार से संबंधित थे सो किसानों की सभी समस्याओं को भली भांति परिचित भी थे और उन्हें अच्छे से समझते भी थे। उन्होंने कई ऐसे कार्य किए जो किसानों के हित में थे जिनसे किसानों को जमीदारों से लड़ने में मदद मिली व कुछ आर्थिक लाभ भी होने लगें। पहले जमीदार किसानों से काफी कम दाम में अनाज खरीदते तथा अधिक दाम पर बेच कर मुनाफा कमाते थे। सारी जी - तोड़ मेहनत किसान करता और उसके हाथ में कुछ नहीं बच पाता था बल्कि कई बार तो जमींदार कमजोर किसानों से जबरदस्ती उसका अनाज छीन लेता था। ब्याज पर पैसा लेकर किसान खेती करता था पर ना ही ब्याज चुका पाता और धीरे धीरे अपनी ज़मीन से भी हाथ धो बैठते थे। किसानों की रक्षा के लिए " जय जवान, जय किसान" का भी नारा दिया गया था और कई प्रकार की हरित क्रांति भी चलाई गई थी जों कि किसानों को खेती करने की ओर अग्रसर करती हैं और फसल उत्पन्न करने में उनका हौसला बढ़ाती है।

हमारे देश में कृषि "भारत की अर्थव्यवस्था" की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। बाजारों में अत्यधिक बिकने वाली चीजें किसानों की मेहनत का ही फल होती हैं। किसानों को अच्छी फसल उत्पादन के लिए बहुत कठिन कार्य एवम् संघर्ष करना पड़ता है, समय पर खाद- पानी देना, कीड़ा - मकोड़े से बचाने का जतन करना फिर भी कई बार प्राकृतिक आपदा के कारण किसान की फसल खराब हो जाती है और उसके हाथ सिवाय मायूसी के और कुछ नहीं आता। फसल सही हो भी जाए तो भी किसानों को उसकी सही लागत नही मिल पाती बड़े जमींदार, सरकार आदि उसके अनाज को कम रुपए में खरीद लेते हैं। इसलिए किसानों की स्थिति दिन ब दिन दयनीय होती जा रही है और वो आत्महत्या की ओर अग्रसर होने लगता है।

इन्हीं सब समस्याओं को देखते हुए किसानों की परेशानियों को दूर करने व उनका आत्मसम्मान बनाए रखने के लिए कई कार्य किए गए हैं जिनमें ' किसान - दिवस ' एक महत्वपूर्ण जरिया है उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए। किसान - दिवस में किसानों को नए - नए तरीकों से खेती करना सिखाया है तथा आधुनिक मशीनों के प्रयोग की जानकारी दी जाती है जिससे कार्य आसानी से

और कम लागत व समय में हो सके। इन नई - नई मशीनों व तकनीकों का इस्तेमाल करके किसान काफी कम लागत में अधिक फसल उत्पन्न कर पाता है।

किसान - दिवस के उपलक्ष्य में कई स्थानों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होता है जिनमें लोग एक - दूसरे से मिलकर अपने - अपने नये तरीकों का आदान - प्रदान भी करते हैं जिनसे सबका हित होता है।

भारत सरकार भी समय - समय पर किसानों के हित में तथा उनको प्रोत्साहन देने के लिए कई योजनाओं को लागू करती है ताकि किसान खेती की ओर अग्रसर रहे, इसके लिए किसानों द्वारा लिया गया कर्ज भी कई बार माफ किया जाता है। जिससे हमारे किसान पर अधिक भार ना पड़े और वे खुश रहें और अनाज उत्पादन निरंतर करते रहे। किसान सभी समस्याओं का सामना करने में सक्षम नहीं हो पाता है तो आत्महत्या की ओर कदम बढ़ा देता है। उनके इन कदमों को रोकने में सरकारी योजनाएं काफी कारगर साबित होती हैं।

हमें किसानों का सम्मान करना चाहिए और बहुत शुक्रगुजार होना चाहिए कि एक बड़ा वर्ग है जो हमारे लिए निरंतर कार्य करता है जिससे हमारी देश की जनता का जीवन चलता है। हमें किसानों की परेशानियों को समझ कर दूर करने में मदद करनी चाहिए ताकि हमारा अन्नदाता खुशहाल हो । सोचो कभी ये अन्नदाता रूठ कर खेती करने से इंकार कर दे तो क्या होगा , हम जीवित कैसे रहेंगे ? जीने के लिए अन्न जरूरी है और अन्न किसान उगाता है । किसान हमारा अन्नदाता है और अन्नदाता खुश तो हम भी स्वस्थ जीवन जी पाएंगे।

सन्दर्भ :

01. https://khabar.ndtv.com/news/lifestyle/national-farmers-day-2020-kisan-diwas-history-significance-and-all-you-need-to-know-2342316
02. https://www.hindikiduniya.com/events/national-farmers-day-in-hindi/
03. https://hindi.careerindia.com/news/national-farmers-day-in-india-002952.html